ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड V अंक 5 अगस्त, 2013

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में :

- कृषि उद्यमियों हेतु प्रौद्योगिकी संसाधन
- **इस माह के कृषि उद्यमी -** सुश्री सरिता रेड्डी
- **इस माह का संस्थान -**वी.ए.पी.एस. मदुरै (विशिष्ट थीम कार्यक्रम)
- **पुनश्चर्या पाठ्यक्रम**

कृषिउद्यमी मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें -

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि उद्यमियों हेतु प्रौद्योगिकी संसाधन

नई पीढ़ी के कृषि उद्यमियों के लिए व्यापार वृद्धि का महत्वपूर्ण साधन है प्रौद्योगिकी । यह कृषि क्लीनिकों और कृषि व्यापार के समस्त आयामों जैसे – उच्च स्तरीय उपज का विकास, जैव–उर्वरकों/जैव कीटनाशकों के उत्पादन की प्रक्रिया का संवर्धन, आदि से संबंधित है। नवप्रवर्तित प्रौद्योगिकी के प्रयोग से कृषि उद्यमियों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त होता है। फसलोपरांत खाद्य संसाधन गतिविधियों में आला प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार यह उनकी व्यापार योजनाओं का अखंड भाग बन चुका है।

22 व्यापार योजना एवं विकास इकाइयों (BPD) के जरिये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) की राष्ट्रीय कृषि नवप्रवर्तन परियोजना (NAIP) द्वारा कृषि उद्यमियों के लिए इस्तेमाल हेतु तैयार (रेडी टू यूज़) तकनीकों का वाणिज्यीकरण किया जा रहा है। इनमें से अधिकांश बी.पी.डी. में निषेचन (Incubation) सूविधाएँ मौजूद हैं। यह बीपीडी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों अथवा केन्द्रीय ICAR संस्थानों में स्थित हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) भी प्रत्येक वर्ष 25 एम.एस.एम.ई (MSMES) को इंकबेशन सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। प्रति उद्यम के लिए 6.25 लाख रु. की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। खाद्य संसाधन और फ़ार्म–मेकॉनिज़म से संबंधित कृषि उद्यमी इस सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना से जुड़ी अधिक जानकारी www. Ztmbpd.iari.res.in पर उपलब्ध है। वैकल्पिक तौर पर कृषि उद्यमी 011 2584 3542 पर संपर्क कर सकते हैं।

इस प्रकार का दूसरा संस्थान CIRCOT (मुंबई में) है, जो कपास (कॉटन) के लिए विभिन्न तकनीकों का वाणिज्यीकरण कर रहा है। यहाँ क्षमता निर्माण प्रशिक्षण और परीक्षण सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं। खाद्य संसाधन तकनीक से जुड़े कृषि उद्यमी, केन्द्रीय फसलोपरांत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी (CIPHET) लुधियाना का दौरा कर सकते हैं। उनके यहाँ कई रेडी टू यूज़ तकनीकें उपलब्ध हैं – उदाहरण के लिए – CIPHET में स्वचालित लीची–पीलर ग्रेडर आदि संबंधी तकनीकें मौजूद हैं। टमाटर–ग्रेडर, अनार–एक्सट्रेक्टी मूँगफली डी –स्किनर, बेरफ्रूट CIPHET में लघु दाल मिल और आटा मिक्सर की तकनीकें भी उपलब्ध हैं। समस्त उपलब्ध तकनीकों की पूरी सूची www.ciphet.in प्राप्त की जा सकती है या वैकल्पिक तौर पर 0161–2313101 पर CIPHET के अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है।

प्रौद्योगिकी मूल्यांकन – किसी भी संस्थान से कोई प्रौद्योगिकी खरीदते समय कृषि उद्यमी को तकनीकी –मूल्यांकन की समझ होनी चाहिए क्योंकि इससे उन्हें नई तकनीक को अपनाने के लाभकारी परिणामों की जानकारी मिलती है। किसी तकनीक हेतु भुगतान के लिए कई गुणतामूलक और संख्यामूलक प्रणालियाँ मौजूद होती हैं। सामान्य प्रणाली को 'रूल ऑफ़ थंब' कहा जाता है जिसमें तकनीक प्रदाता को 25 प्रतिशत तक का सवंर्धित लाभ, नई तकनीक अपनाने पर प्रदान किया जा सकता है। ऐसे लाभों की समय सीमा पर विचार करने की आवश्यकता है (कृषि उद्यमी का सब्जेक्टिव मूल्यांकन) यदि पूरी तकनीक की धनराशि को एक ही बार में चुकाया जाना हो । **कृषि उद्यमियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, बैंकरों, राज्य सरकार की विस्तारित कार्यप्रणालियों, गैर सरकारी संगठनों और कृषि–व्यापार कंपनियों से अनुरोध है कि वे अमूल्य अनुभव अन्य कृषि उद्यमियों के साथ अवश्य बांटे ।**

नवप्रवर्तित कृषि–व्यापार – सुश्री एम.सरिता रेड्डी

इस महीने हम सुश्री एम.सरिता रेड्डी से आपका परिचय करवाना चाहेंगे जिन्होंने 2011 में कृषि क्लीनिकों और कृषि व्यापार केन्द्र की योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया था । तत्पश्चात् उन्होंने खुद अपनी कंपनी 'नवरत्न क्रॉप साइंस प्रा. लि.' के नाम से हैदराबाद में स्थापित की । उनकी कंपनी की उत्पादन इकाई चेर्लापल्ली के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है। वे हाल ही में

मैनेज हैदराबाद से आई थीं और चर्चा के दौरान उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी स्वतंत्र निर्णयकारिता और जवाबदारी की भावना को दिया । उनके विचार में कुछ लोगों के भीतर स्वतंत्र रूप से काम करने के अंदरूनी गुण होते हैं। कृषि विषय में बी.एस.सी. करने के बाद उन्होंने नंदन बायोफार्मस (बायो ईंधन के क्षेत्र में) में काम किया अरैर प्रचालन–प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, फ्रेंचाइस–प्रबंधन, विपणन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में विभिन्न व्यापार–कौशल सीखे, जिससे उन्हें आज अपने व्यापार में सहायता मिल रही है। वे निरंतर किसानों से संपर्क बनाए रखती हैं खेतों को व्यक्तिगत रूप से मॉनीटर करती हैं।

हाल ही में सुश्री एम.सरिता रेड्डी की कंपनी ने 'भूजीवन' नाम से एक प्रोबायोटिक सयंत्र प्रारंभ किया, जो तोरई के किसानों में काफी प्रसिद्ध हो गया है क्योंकि यह फूलों के झड़ने (ड्रॉप) को रोकता है और नर व मादा फूलों के सही अनुपात को बरकरार र खता है – जो फल के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण होता है। उनकी कंपनी में जैव–उर्वरकों से लेकर माइक्रो–पोषक उत्पाद उपलब्ध हैं। वे अपनी सफलता का सारा श्रेय, अपनी कंपनी के अनुसंधान एवं विकास तथा टीम के सभी सदस्यों की मजबूत किसान अभिमु खता को देती हैं। वर्तमान में उन्होंने उत्पादन से विपणन तक के कार्य के लिए 40 सदस्यों को शामिल किया है। उनकी इकाई को, माइक्रो पोषकों, जैव–उर्वरकों के निर्माण के लिए लाइसेंस मिल चुका है। सरिता रेड्डी के उत्पाद आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमि. लनाडु और महाराष्ट्र के कुछ भागों में उपलब्ध हैं।

अपने उत्पादों को प्रमोट करने के लिए सुश्री सरिता रेड्डी खेत–प्रदर्शन – परिणाम व प्रणाली दोनों का इस्तेमाल करती हैं क्योंकि किसान किसी भी उत्पाद की योग्यता को उसके फायदों को देखने तथा इसे इस्तेमाल के बाद ही पहचानते हैं। सरिता रेड्डी का मानना है कि निजी एक्सटेशन का जमीनी स्तर पहुँचना जरुरी है और किसानों को बढ़िया उत्पाद मिलने चाहिए जो परिवेश के प्रति सौहार्द पूर्ण और परिस्थितिक रूप से दीर्घकालिक हों। उनके मतानुसार इस विस्तारित प्रयास के कुछ भाग को एम .एस.एम.ई. के लिए सब्सिडी मिलनी चाहिए क्योंकि कभी–कभी कंपनियों से स्पर्धा करना कठिन हो जाता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.navaratnacropscience.com पर विजिट करें । सुश्री एम.सरिता रेड्डी से 040–65143358 पर संपर्क किया जा सकता है।

क्या आप जानते हैं ?

छोट.... किसानों के कृषि व्यापार कांस्ट्रिअम द्वारा किसानों के फायदे के लिए निम्नलिखित योजना आरंभ की है।

कृषिदूत – इस योजना के अंतर्गत 25 एफ.पी.ओ. को निषेचन (incubation) सहयोग । हैंडहोल्डिग सहयोग के साथ–साथ निवेशों पर पंजीकृत मोबाइल यूज़रों के लिए सूचना सहयोग ।

'जन सेवा हेतु स्वैच्छिक संगठन' (VAPS)

एक स्वैच्छिक संगठन है जो मदुरै तमिलनाडु (TN) में स्थित हैं। यह संगठन कृषि विकास के क्षेत्र में तमिलनाडु के विभिन्न भागों में काम कर रहा है। VAPS वर्ष 2004 से ए.सी. व ए.बी.सी. योजना के कार्यान्वयन हेतु मैनेज से जुड़े हैं। VAPS में कुल 833 प्रत्याशी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और 402 प्रत्याशी अपना कृषि व्यवसाय शुरू कर चुके हैं।

हैंड होल्डिग के उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्थान द्वारा निम्नलिखित उपाय अपनाए जा रहे हैं ;

- ए.सी. व ए.बी.सी योजना के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु कार्यशालाओं का संचालन ।
- बैंकरों, प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों और सफल कृषि उद्यमियों का डाटा बेस तैयार करना ।
- एक त्रैमासिक न्यूज़लेटर – एग्रीप्रेन्योर इंफो का प्रकाशन
- तमिलनाडु भारतीय कृषि उद्यमियों के संगठन का (TAA) का गठन (कृषिउद्यमियों की आवश्यकताओं को सुनने वाला फेडरेशन)

'पशुपालन' पर 39वाँ ए.सी. व ए.बी.सी. कार्यक्रम 25 जुलाई, 2013 को पुनरीक्षित पाठ्यक्रम के साथ तथा कृषि विस्तारण के संघटकों के साथ प्रारंभ हुआ । व्यावहारिक ज्ञान, विस्तारण डेलिवरी, बाज़ार–सर्वेक्षण तथा **विस्तृत परियोजना रिपोर्टें निम्नलिखित हैं –**

- एकीकृत खेतों के संघटक व प्रबंधन।
- पशु–स्वास्थ्य के निदान व उपचार पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, मॉडर्न डेअरी, स्टाल फ़ेड बकरी एवं मुर्गीपालन केन्द्रों, मोबाइल पशु क्लीनिकों पशुपालन क्लीनिक, ATMA व IAMWARM प्रणाली के डेमो, प्लॉटों, TANUVAS अनुसंधान केन्द्रों, माइक्रो–सिंचाई प्रणालियों, मत्स्यिकी–फार्म्स आदि का दौरा ।
- विस्तारित सुपुर्दगी – नाबार्ड ग्रामीण किसान क्लब की बैठकों और पशुपालन किसानों का जागरुकता कार्यक्रम ।
- पशुपालन, मत्स्यिकी आदि से संबंधित अवसरों के बारे में कक्षाओं का आयोजन । केन्द्र और राज्य क्षेत्रों की तकनीकें/योजनाएँ।
- पशुपालन कंपनी के प्रतिनिधियों और प्रगतिशील किसानों के व्याख्यान ।

उपर्युक्त में से किसी भी तथ्य की अधिक जानकारी हेतु कृपया श्री एस.ए.अरुल, नोडल अधिकारी, VAPS मदुरै से मोबाइल नं. 09443569401 से संपर्क करें ।

ई–मेल आई.डी. VAPSINFO@gmail.com arulsa@rediffmail.com

श्री एस.ए.अरुल, नोडल अधिकारी

मैनेज हैदराबाद में कृषि उद्यमियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आर टी पी)

मैनेज द्वारा हैदराबाद स्थित अपने परिसर (कैंपस) में आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र के 28 स्थापित कृषि उद्यमियों के लिए 03 दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आर.टी.पी) आयोजित किया । व्यापार नेटवर्किंग, परियोजना–योजना एवं कृषि परियोजनाओं के वित्तीय विश्लेषण आदि जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए । महानिदेशक महोदय ने प्रतिभागियों से चर्चा के दौरान उन्हें अपने सफल वेंचर स्थापित करने हेतु बधाई दी । उन्होंने प्रतिभागियों को सलाह दी कि, वे अपने कृषि वेंचरों के प्रचालनों में स्वतंत्रता का पूरा लाभ उठाएँ । प्रतिभागियों ने सत्रों में बड़े ही ध्यान से व्या ख्यान सुने और सक्रिय बने रहे । व्यापार नेटवर्किंग के एक भाग के रूप में प्रतिभागियों ने अपने व्यापार अनुभव व बाधाओं के बारे में चर्चा की । प्रत्येक प्रतिभागी ने अपने व्यापार विस्तारण के बारे डी.पी.आर. तैयार की । प्रतिभागियों ने मैनेज प्रबंधन से इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने हेतु अनुरोध किया ।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशि क्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

'कृषि उद्यमी' का प्रकाशन
श्री बी श्रीनिवास, आईएएस,
महानिदेशक, मैनेज, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।

हमें संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र (सीएडी) राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्र नगर, हैदराबाद,
पिन–500030 आन्ध्र प्रदेश, भारत
हेल्पलाइन नं : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल: helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस
संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर
सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति
: सुश्री ज्योति सहारे